Regarding immediate relief to Punjab due to release of excessive water from dams

डॉ. धर्मवीर गांधी (पटियाला) : महोदया, मैं पंजाब से हूं । हमारे प्रदेश पंजाब को इस बार अभूतपूर्व बाढ़ का सामना करना पड़ा । हमारी तीनों नदियां सतलुज, व्यास और रावी में बाढ़ आने के कारण और हमारे तीनों बांधों में ज्यादा पानी छोड़ने के कारण पंजाब में लाखों एकड़ जमीन तबाह हुई और पंजाब के किसान आर्थिक रूप से तबाह हुए हैं ।

आज सैकड़ों किसान मारे गए हैं, लाखों लोग बेघर हुए हैं, हजारों मकान टूटे हैं, बिखरे हैं और अनेक पशु बहकर पाकिस्तान चले गए हैं । ऐसी संकट भरी स्थिति में पंजाब को मदद की बहुत जरूरत थी, परंतु अफसोस है कि वह पंजाब जिसने देश की जंग-ए-आजादी में भूतपूर्व हिस्सा डाला, फांसियों के रस्से चूमे, वह पंजाब देश की रक्षा के लिए हमेशा अपनी जान कुर्बान करने के लिए तैयार रहा और उसने तीनों जंगों में बहुत कुर्बानियाँ दीं । वह पंजाब जिसने देश को मोटे अनाजों की पैदावार के मामले में आत्मनिर्भर बनाया, अनाज बाहर भेजने के काबिल बनाया, उस पंजाब को जब सहायता की जरूरत पड़ी तो केन्द्र ने कोई भी सहायता नहीं की ।

माननीय सभापति : माननीय सदस्य श्री गुरमती सिंह मीत हायेर जी ।